भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- †1745

उत्तर देने की तारीख- 05/12/2024

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान

†1745. श्री वाई. एस. अविनाश रेड्डी:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) योजना के उद्देश्यों और महत्वपूर्ण पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) प्रधानमंत्री जनमन योजना की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ग) इस योजना के अंतर्गत लाभार्थियों की अनुमानित संख्या कितनी है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री

(श्री दुर्गादास उइके)

(क) से (ग): 15 नवंबर 2023 को, माननीय प्रधानमंत्री जी ने 18 राज्यों और एक संघ राज्यक्षेत्र में रहने वाले 75 पीवीटीजी समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए 24,104 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) का शुभारंभ किया। मिशन का उद्देश्य 3 वर्षों में सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल और शिक्षा तक बेहतर पहुंच, स्वास्थ्य और पोषण, सड़क और दूरसंचार सम्पर्क, अविद्युतीकृत घरों का विद्युतीकरण और स्थायी आजीविका के अवसर जैसी बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करना है। इन उद्देश्यों को 9-लाइन मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित 11 उपायों के माध्यम से पूरा किया जा रहा है। अभियान योजना के तहत इसकी शुरुआत से दिए गए लाभों का विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

जनजातीय कार्य मंत्रालय ने राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन/ विभागों के माध्यम से पीएम जनमन के तहत कवर किये गए गांवों और बस्तियों में रहने वाली पीवीटीजी आबादी को कवर करने हेतु पीवीटीजी आबादी के आंकड़ों और अवसंरचना के अंतरों का अनुमान लगाने के लिए पीएम गति शक्ति मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से आवास स्तर पर डेटा संग्रह करने का कार्य शुरू किया है। एकत्र किए गए डेटा (21.11.2024 तक) के आधार पर, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार, पीवीटीजी आबादी को **अनुलग्नक-II** में सारणीबद्ध किया गया है। हालांकि, इन अभियानों के तहत कवर किए जाने वाले लाभार्थियों की वास्तविक संख्या अनुमोदित मानदंडों के अनुसार संबंधित उपायों के विशिष्ट दिशानिर्देशों की पात्रता मानदंडों के अधीन है।

"प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान" के संबंध में श्री वाई. एस. अविनाश रेड्डी द्वारा दिनांक 05.12.2024 को पूछे जाने वाले लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या †1745 के भाग (क) से (ग) के उत्तर के संबंध में संदर्भित अनुलग्नक

पीएम जनमन प्रगति (21 नवंबर 2024 तक)

मंत्रालय का नाम	उपाय	मिशन लक्ष्य (2023-2026)	स्वीकृतियां	वास्तविक उपलब्धियाँ	वित्तीय स्वीकृतियां (करोड़ रुपए में)
ग्रामीण विकास मंत्रालय	पक्के मकान	~ 4.90 लाख पक्के मकान	336367 मकान	59487 मकान पूरे हो गये हैं।	2722.14
	संपर्क सड़कें	8000 किमी सड़क	4484.30 किमी सड़क	11.51 किमी सड़क पूरी हो गई है	3386.2
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	मोबाइल चिकित्सा इकाई (एमएमयू)	1000 एमएमयू	616 एमएमयू	616 एमएमयू क्रियाशील हैं, जिनमें 25 लाख से अधिक लोग यात्रा करते हैं	208.7
पेयजल और स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय	पाइप जलापूर्ति (एफएचटीसी)	15309 गांव	6350 गांव 100% संतृप्त	6350 गांव 100% संतृप्त हैं	344.35
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	आंगनवाड़ी केंद्र (एडब्ल्यूसी)	2500 एडब्ल्यूसी	1864 एडब्ल्यूसी	770 आंगनवाड़ी केन्द्र कार्यात्मक किए गए	311.16
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय	छात्रावास	500 छात्रावास	194 छात्रावास	-	476.16
दूरसंचार मंत्रालय, संचार मंत्रालय	मोबाइल टावर	3959 बस्तियों को कवर किया गया	1499 बस्तियां	406 बस्तियों को कवर किया गया	204.3
विद्युत मंत्रालय	आवासों (घरों) का विद्युतीकरण	~ 2.65 लाख आवास	140440 आवास	87132 आवासों (घरों) का विद्युतीकरण किया गया	516.15
नवीन एवं नवीनकरणीय मंत्रालय	आवासों (घरों) का विद्युतीकरण	विद्युत मंत्रालय द्वारा सभी पात्र और कवर नहीं किए गए	9569 आवास	800 आवासों (घरों) का विद्युतीकरण किया गया	47.86

जनजातीय कार्य मंत्रालय	बहुउद्देशीय केंद्र (एमपीसी)	1000 एमपीसी	873 एमपीसी	433 एमपीसी में काम शुरू हुआ।	119.24
	वीडीवीके की स्थापना	500 वीडीवीके	501 वीडीवीके	परिचालन: -135 टूल किट वितरित: 280	33.61 (एमओएसडीई के 12.20 करोड़ रुपये सहित)
कुल (करोड़ रुपए में)					**8369.87**

संबंधित मंत्रालयों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार

अनुलग्नक-II

"प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान" के संबंध में श्री वाई. एस. अविनाश रेड्डी द्वारा दिनांक 05.12.2024 को पूछे जाने वाले लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या †1745 के भाग (क) से (ग) के उत्तर के संबंध में संदर्भित अनुलग्नक

राज्य सरकार / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन / विभाग द्वारा मोबाइल एप्लिकेशन-आधारित आवास सर्वेक्षण के आधार पर पीवीटीजी जनसंख्या (21.11.2024 तक)

क्र.सं.	राज्य*	पीवीटीजी जनसंख्या
1	अंडमान और निकोबार	191
2	आंध्र प्रदेश	492552
3	छत्तीसगढ़	229743
4	गुजरात	153516
5	झारखंड	398952
6	कर्नाटक	57448
7	केरल	29511
8	मध्य प्रदेश	1229201
9	महाराष्ट्र	623143
10	ओडिशा	300436
11	राजस्थान	128456
12	तमिलनाडु	380376
13	तेलंगाना	63194
14	त्रिपुरा	273240
15	उत्तर प्रदेश	3527
16	उत्तराखंड	92233
17	पश्चिम बंगाल	67087
कुल योग		**4522806**

* बिहार और मणिपुर इस अभियान के अंतर्गत शामिल अन्य राज्य हैं।

*****